ई.एच.आई.–02

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2015 और जनवरी 2016 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–02

पाठ्यक्रम शीर्षक : भारत : आदिकाल से आठवीं शताब्दी ईसवी तक

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सत्रीय कार्य
2015–2016

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई..02

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको बी.डी.पी. की कायक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्र	जमा करने की तिथि	कहां जमा करना है
जुलाई 2015 सत्र के लिए	**31 मार्च 2016**	**पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।**
जनवरी 2016 सत्र के लिए	**30 सितम्बर 2016**	

सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लीजिए।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें :

सत्रीय कार्य करने से पहले ध्यान रखें : सामाजिक विज्ञानों में किसी भी तरह के लेखन के लिए चार सोपान आवश्यक हैं। ये हैं (क) योजना (ख) वस्तु चयन (ग) प्रस्तुतीकरण (घ) व्याख्या

क) **योजना** : आपसे क्या प्रश्न पूछा गया है और उत्तर में क्या लिखना है। इस पर विचार कीजिए। इकाइयों का ठीक तरह से अध्ययन कीजिए। कुछ अतिरिक्त जानकारी चाहें तो पुस्तकालय का उपयोग कीजिए।

यह देखें कि प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना है या 250 शब्दों में या सिर्फ 100 शब्दों में। बड़े प्रश्नों के लिए विवरणों के साथ व्याख्या भी करनी होगी। तीसरे प्रकार के प्रश्न के उत्तर में संगत विवरणों को संक्षेप में प्रस्तुत करें।

ख) **वस्तु चयन** : उत्तर देने के लिए आपको सही तथ्यों तथा विवरणों का चयन करना होगा। इसके लिए आप (i) अपनी इकाइयों से नोट्स लें (ii) तथ्यों को ध्यान से देखें और उत्तर के लिए अनावश्यक विवरण निकाल दें और (iii) उत्तर का पहला खाका लिख लें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आप उत्तर में क्या सूचनाएं/विवरण प्रस्तुत करना चाहते हैं।

ग) **प्रस्तुतीकरण** : अब आप उत्तर का दूसरा खाका तैयार करें। इससे आप अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त कर सकेंगे। आप यह भी जान सकेंगे कि दी गयी शब्द सीमा में आप बात कैसे कह सकते हैं।

उत्तर का तीसरा और अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए और देखिए कि आपने सारी आवश्यक बातें अपेक्षित शब्द सीमा में प्रस्तुत की हैं या नहीं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या की प्रक्रिया का अनन्य स्थान है। आपकी योजना तथा वस्तु चयन में भी व्याख्या की झलक दिखाई देगी। संभवतः, शायद, क्योंकि, इसलिए, आदि शब्दों के साथ आपके वक्तव्य व्याख्या की झलक देते हैं। यहां आपको ध्यान रखना होगा कि आपके तथ्य आपके वक्तव्य का समर्थन करते हैं अथवा नहीं।

टिप्पणी : अगर आपके पास समय सीमित हो तो :

1) पहला प्रारूप तैयार करें, उत्तर की संगतता, शब्द सीमा, आदि पर ध्यान दें, और
2) अंतिम प्रारूप तैयार करें।

अब आप उत्तर लिखने के लिए तैयार होंगे।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
ई.एच.आई.–02
भारत : आदिकाल से आठवीं शताब्दी ईसवी तक

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–02
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.आई.–02/
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2015–2016
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक प्रश्न के सामने लिखें हैं।
भाग 1: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. भारत के मूलभूत भू–आकृतिक विभाजनों की भौगोलिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

हड़प्पा सभ्यता की प्रमुख बस्तियों की भौतिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

2. उत्तर वैदिक काल में समाज, अर्थव्यवस्था, राजनैतिक व्यवस्था तथा धर्म की प्रमुख विशेषताओं का परीक्षण कीजिए। 20

अथवा

चौथी से छठी शताब्दी ई.पू. के दौरान समाज तथा अर्थव्यवस्था की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

भाग 2: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. अशोक की धम्म नीति के प्रमुख सिद्धांतों की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए। 12

अथवा

उत्तर मौर्य काल में धर्म के क्षेत्र में हुई गतिविधियों की व्याख्या कीजिए।

4. दक्खन तथा दक्षिण भारत में 200 ई.पू.– 300 ई. के दौरान कृषि अर्थव्यवस्था तथा समाज के स्वरूप की संक्षिप्त विवेचना कीजिए। 12

अथवा

200 ई.पू. से 300 ई. के दौरान स्थापत्य कला की प्रमुख विशेषताएं क्या थीं ?

5. प्रारंभिक काल में दक्खन में राज्य संरचना के स्वरूप का परीक्षण कीजिए। 12

अथवा

चौथी से छठी शताब्दी ई0 के दौरान गुप्त राजनैतिक शक्ति के उद्भव तथा सुदृढ़ीकरण को रेखांकित कीजिए।

6. गुप्त तथा उत्तर गुप्त काल में अर्थ व्यवस्था में हुए परिवर्तनों की प्रमुख विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए। 12

अथवा

दक्षिण भारत तथा दक्खन में 200 ई.पू. से 300 ई. के दौरान व्यापार तथा शहरी केन्द्रों के विस्तार पर टिप्पणी लिखिए।

भाग 3: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

7. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग 100–100 भाब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए :** 6+6

क) चित्रित घूसर मृदभांड
ख) कुषाण
ग) हर्षवर्धन
घ) दक्षिण भारत में भक्ति आंदोलन